क्विकहील की सीएसआर पहल

आरोग्य यान ने सिरोही में 3 लाख लोगों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की शुरुआत

पुणे, एजेंसी। क्विक हील फाउंडेशन ने अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से राजस्थान के सिरोही में मूलभूत सुविधाओं से वंचित और आदिवासी समुदाय के लोगों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस मेडिकल वैन, आरोग्य यान प्रदान की। विनोद परसरामपुरिया सेवा फाउंडेशन के सहयोग में यह वैन सिरोही स्वरूपगंज, नितोदा, रोहिडा और भुला में 3 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को अच्छी सेहत और बेहतर स्वास्थ्य का उपहार प्रदान करेंगी। इसमें क्षेत्र में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले 7,138 परिवार शामिल हैं।

आरोग्य यान को सौंपने का समारोह क्विक हील फाउंडेशन की अध्यक्ष अनुपमा काटकर और संगठन मंत्री सेवा भारती-जोधपुर प्रांत स्वरूप दान की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों में क्विक हील फाउंडेशन के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक अजय शिर्के, विभाग प्रचारक श्याम सिंह और सिरोही के चीफ मेडिकल हेल्थ

ऑफिसर डॉ. राजेश कुमार शामिल थे।

इस अवसर पर क्विक हील टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन की चेयरपर्सन और क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में चीफ -ऑपरेशनल एक्सिलेंस अनुपमा काटकर ने कहा कि क्विक हील की सीएसआर पहल का मूलतत्व स्वास्थ्य रक्षा की सुविधाएं सुलभ कराकर उपेक्षित समुदायों को सशक्त बनाना है। इस तरह हमारे फाउंडेशन के माध्यम से सिरोही की जनजातीय आबादी और गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारों के लिए आरोग्य यान भेंट करना इसी दिशा में कदम है। हमने इस पहल से 10 राज्यों के 600 से ज्यादा गांवों के 11 लाख से ज्यादा परिवारों के जीवन को प्रभावित किया है। हम इन वंचित समुदायों को स्वास्थ्य रक्षा की प्राथमिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर बेहद खुश हैं। कोविड को देखते हुए इस मेडिकल वैन में मौजूद योग्य और प्रशिक्षित डॉक्टर इन निवासियों को पूर्णरूप से सुरक्षा प्रदान करने में हमारी मदद करेंगे। इस अवसर पर विनोद परसरामपुरिया सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष अरुण परसरामपुरिया ने कहा कि सीमित संसाधन, जागरूकता में कमी और दूरदराज की जगहों ने स्थानीय निवासियों के लिए मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं हासिल करने की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है।